NATIONAL RESTAURANT ASSOCIATION OF INDIA

National Restaurant Association of India
Voice of the Indian Restaurant Industry

ANURAG KATRIAR
Executive Director & CEO
deGustibus Hospitality Pvt. Ltd.
President

KABIR SURI
Co-Founder & Director
Azure Hospitality Pvt. Ltd.
Vice President

PRATIK POTA
CEO
Jubilant FoodWorks Ltd.
Hony. Secretary

NITIN SALUJA
Founder Chaayos
Sunshine Teahouse Pvt. Ltd.
Hony. Jt. Secretary

MANPREET SINGH
Director
K S Hotels Pvt. Ltd.
Hony. Treasurer

PRAKUL KUMAR
Secretary General

दिनांक: १२ मई, २०२०

सेवा में,
आदरणीय प्रधान मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

आदरणीय प्रधानमंत्री महोदय,

विषय: कोरोणा वैश्विक महामारी की वजह से उत्पन्न खाद्य एवं पेय उद्योग की समस्याएं और उनके निदान के लिए हमारी आपसे विनम्र विनती

१९८२ में स्थापित, **नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया**, भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग और उद्योगकर्मियो की अग्रगण्य संस्था है। हम वर्षों से इस उद्योग की हित और सुरक्षा के प्रति कार्यरत हैं। मैं आपका ध्यान इस ओर भी अग्रसित करना चाहूंगा कि **हमारे उद्योग में तकरीबन ७३ लाख लोगों को सीधा रोजगार मिलता है** और शायद इतने ही लोग इस व्यापार से अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े है। इंडिया फूड सर्विस रिपोर्ट २०१९ के मुताबिक **हमारा वार्षिक कारोबार तकरीबन ४.२३ लाख करोड़ रुपया है**।

सर्वप्रथम मैं आपको और आपकी सरकार को इस महामारी के खिलाफ इस सजग और अत्यंत सराहनीय लड़ाई के लिए धन्यवाद करता हूं। **आपके इस अथक प्रयास के लिए राष्ट्र सदा आपका कृतज्ञ और ऋणी रहेगा।**

इस राष्ट्रीय संकट की घड़ी में हम लोगों ने भी अपना यथासंभव योगदान दिया है और हम आगे भी इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं आपको सविनय ये भी अवगत कराना चाहूंगा की हमारे कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा के मद्देनजर हमने अपने सदस्यों को अपने रेस्टोरेंट बंद करने का आव्हान हमने आपकी औपचारिक घोषणा के कुछ दिन पूर्व ही कर दी थी। इसके पश्चात जब आपने सभी देशवासियों से गरीब वर्गों के प्रति संवेदना की गुहार की तब हमने अपने खाद्य उत्पादन के बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल कर के **अब तक ६२ (बासठ) लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क भोजन प्रदान किया है**।

महोदय, हम पूर्ण रूप से ये समझते हैं कि आज आपकी और आपके सरकार की प्राथमिकता इस महामारी से निदान पाना और उसके खिलाफ एक कारगर लड़ाई लड़ना है। लेकिन, एक उद्योग के प्रतिनिधि संस्था होने के नाते आपको अपनी समस्मायों से अवगत कराना मेरा कर्तव्य है और मैं इस बात से पूर्णतः आश्वस्त हूं कि आप ना सिर्फ हमारी समस्या समझेंगे बल्कि आप उनका यथासंभव निदान भी करेंगे।

महोदय, मैं आपको इस बात से भी अवगत कराना चाहता हूं कि इस से पूर्व हमने इस मामले में अपनी विस्तृत मांग एक पत्र द्वारा आदरणीया वित्त मंत्री एवं नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अमिताभ कान्त जी को भी प्रेषित की हुई है। **इस पत्र के माध्यम से मैं आपको सिर्फ हमारे कुछ अत्यावश्यक समस्या** और उनके निदान के लिए अपने विचार आपके समक्ष रख रहा हूं। मैं प्राथमिक तौर पर आपका ध्यान निम्न पांच विषयों के प्रति आकर्षित करना चाहूंगा:

NATIONAL RESTAURANT ASSOCIATION OF INDIA

National Restaurant Association of India
Voice of the Indian Restaurant Industry

ANURAG KATRIAR
Executive Director & CEO
deGustibus Hospitality Pvt. Ltd.
President

KABIR SURI
Co-Founder & Director
Azure Hospitality Pvt. Ltd.
Vice President

PRATIK POTA
CEO
Jubilant FoodWorks Ltd.
Hony. Secretary

NITIN SALUJA
Founder Chaayos
Sunshine Teahouse Pvt. Ltd.
Hony. Jt. Secretary

MANPREET SINGH
Director
K S Hotels Pvt. Ltd.
Hony. Treasurer

PRAKUL KUMAR
Secretary General

१. **कृषि के बाद हमारे देश में सर्वाधिक लोगों को रोजगार हमारे उद्योग में ही मिलता है**। मेरी प्रथम समस्या इसी से जुड़ी है। आज जबकि हमारा व्यापार पूरी तरह से बंद है, हम अपने सीमित संसाधनों से अपने कर्मचारियों को वेतन देने में खुद को असक्षम पा रहे हैं। इसकी वजह सिर्फ और सिर्फ हमारी आर्थिक मजबूरी है। मैं **आपसे निवेदन करता हूं कि कर्मचारियों का वो वर्ग जो "कर्मचारी राज्य बीमा योजना" (ESIC) के अधीन है, उन्हें उनके वेतन का आधा भाग इस योजना के तहत दिया जाए**। जैसा की आप जानते हैं, इस कोष का निर्माण कर्मचारियों और उनके नियोक्ताओं के योगदान से हुआ है। इस रकम के इस्तेमाल के लिए इस से ज्यादा उपयुक्त समय कभी नहीं हो सकता है। **ये मानवता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।**

२. करोना वैश्विक महामारी शायद इस सदी की सबसे बड़ी त्रासदी है। इस से विश्व भर में जान और व्यापार की अभूतपूर्व क्षति हुई है} इसी कारण से हमारा ये मानना है की ये स्थिति निश्चित तौर पर "फोर्स मज्योर" की स्थिति है; एक ऐसी स्थिति जिसकी वजह से हम अपना कारोबार करने से बाधित हैं। इस विषय में आपसे ये विनम्र निवेदन है कि **सरकार इस बात की एक औपचारिक घोषणा कर दे की इस महामारी से उत्पन्न लॉकडाउन की अवधि को एक फोर्स मज्यूर की स्थिति मानी जाएगी**। ऐसा ना होने पर लॉकडाउन के पश्चात कई पक्षों के बीच कानूनी घमासान और अनबन चलेगी जिसका सीधा असर हमारी भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अगर हमें इस लॉकडाउन की अवधि में अपने कारोबार की जगह का किराया देना पड़ा तो निश्चित रूप से हम म से कई कारोबार कभी भी शुरू नहीं हो पाएंगे। **ये व्यापार को जिंदा रखने के लिए अत्यंत जरूरी कदम है**।

३. लॉकडाउन के पश्चात **व्यापार को दोबारा शुरू करने के लिए हम सब को कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरत पड़ेगी** क्योंकि हम अधिकांश लोगों के पास अब कुछ भी आर्थिक संसाधन नहीं बचे हैं। आपसे निवेदन है कि हमारे बैंक कुछ ऐसे प्रावधान करें जिस से हमें **कम ब्याज** और **न्यूनतम कोलेटरल** के साथ ये पूंजी मुहैया हो सके। इस ऋण के भुगतान की किश्त के लिए **हमें ६ महीनों की मोहलत (मोरेटोरियम) भी मिले**।

४. कोविद युग के बाद **व्यापार में सभी खर्चों को कम करना हमारी एक न्यूनतम आवश्यकता होगी**। एक बात तय है कि नए युग का व्यापार पुरानी शर्तों पर नहीं हो सकेगा। हमारा अगला निवेदन इसी बारे में है। हमारा एकमात्र ऐसा उद्योग है जिसमें की जीएसटी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का प्रावधान नहीं है। इसकी वजह से हमारे खर्चे, खास कर बड़े शहरों में, काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं। **आपसे निवेदन है की हमें दो विकल्प दिए जाएं; या तो कोई ५ प्रतिशत के दर पर बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट के काम करे या १२% पर इनपुट टैक्स क्रेडिट कें साथ काम करे**। इस से हमें हमारे कारोबार को बचाने में बहुत मदद मिलेगी। मैं आपको इस बात से भी अवगत कराना चाहूंगा कि इनपुट टैक्स क्रेडिट के अभाव में हमारे नए प्रोजेक्ट की कीमत करीब १५-२० प्रतिशत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर इस क्षेत्र में होने वाले नए निवेश पर पड़ता है।

५. इस वक़्त का हमारा आखिरी निवेदन इस क्षेत्र के ईकॉमर्स के नियमों के बाबत है। आज के नियमों के तहत कुछ चुनिंदा ईकॉमर्स कंपनियां क्षेत्र के हजारों छोटे-बड़े कारोबारों पर पूरी तरह से हावी हैं। ईकॉमर्स प्रणाली के तहत ये प्लेटफॉर्म को एक डिजिटल बाज़ार होने चाहिएं

NATIONAL RESTAURANT ASSOCIATION OF INDIA

National Restaurant Association of India
Voice of the Indian Restaurant Industry

ANURAG KATRIAR
Executive Director & CEO
deGustibus Hospitality Pvt. Ltd.
President

KABIR SURI
Co-Founder & Director
Azure Hospitality Pvt. Ltd.
Vice President

PRATIK POTA
CEO
Jubilant FoodWorks Ltd.
Hony. Secretary

NITIN SALUJA
Founder Chaayos
Sunshine Teahouse Pvt. Ltd.
Hony. Jt. Secretary

MANPREET SINGH
Director
K S Hotels Pvt. Ltd.
Hony. Treasurer

PRAKUL KUMAR
Secretary General

जहां कोई भी व्यापारी और कोई भी ग्राहक अपनी मर्ज़ी से और अपनी शर्तों पर व्यापार कर सके। **परन्तु आज की स्थिति में ये कुछ कंपनियां एक तरह से डिजिटल मार्केट के मकान मालिक बन बैठे हैं** जो की ये तय करते हैं की इस बाज़ार में कौन आ सकता है, किन शर्तों पर आ सकता है, किन शर्तों पर कारोबार कर सकता है और इस ईकॉमर्स मार्केट में काम करने के ऐवज में व्यापारियों एवं खरीदारों से अपना भुगतान भी ये लोग खुद ही तय करते हैं! इसके अलावा ये लोग हमें हमारे ग्राहकों की मूलभूत जानकारी भी नहीं देते हैं, हालांकि ये ग्राहक हर तरीके से सिर्फ हमारे हैं। इतना ही नहीं, हमारे ग्राहकों की जानकारी के आधार पर ये प्लेटफॉर्म अपना खुद का कारोबार भी शुरू कर देते हैं और उस कारोबार को अपने ही प्लेटफॉर्म पर हमारे विरुद्ध खड़ा कर देते हैं को की ईकॉमर्स के मूल सिद्धांत के खिलाफ है।

ज़बरदस्ती मांगा हुआ डिस्काउंट, ज़बरदस्ती से वसूला मनमाना कमिशन दर, हमारे डाटा पर अपना मालिकाना हक जता कर और अपने खुद के ब्रांड को इसी बाज़ार में उतार कर इन्हें बहुत संगीन मारक क्षमता मिल जाती है जिसका सामना अधिकांश छोटे व्यापारी नहीं कर पाते हैं। ताज्जुब की बात ये भी है कि आज ये प्लेटफॉर्म नुकसान में है, हमारा उद्योग नुकसान में है और साल भर चलने वाले डिस्काउंट की वजह से सरकारी कर वसूली को भी नुकसान है। जिस एकमात्र चीज को इस से फायदा मिलता है वो है इन चंद ईकॉमर्स कंपनियों का मूल्यांकन जो इन्हें विदेश से तगड़ा निवेश दिलाता है। **मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपकी सरकार इस चंद ईकॉमर्स कंपनियों के फायदे के लिए हजारों छोटे व्यापारियों का नुकसान नहीं होने देगी।** इस देश को ऐसी ईकॉमर्स नीति की जरूरत है जिसमें सभी लोगों को तरक्की का बराबर अवसर मिले।

महोदय, हमे विश्वास है कि आप हमारी उपरुक्त प्रार्थनाओं पर गौर करेंगे और संबंधित मंत्रालयों को उपयुक्त मार्गदर्शन देंगे। हम आपको आश्वस्त करते हैं कि हम पूरी कोशिश करेंगे कि हमारा उद्योग इस महामारी से सकुशल बाहर आए लेकिन हम ये भी जानते हैं कि ये **आपके सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद के बिना संभव नहीं है**। हमें आपसे पूर्ण सहयोग का पूरा विश्वास है।

एक आखिरी निवेदन ये भी है कि आप कृपया **हमारे उद्योग के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन करें** जो हमारे मुद्दों को संगठित तरीके से संबोधित कर सके। इस से हमारे उद्योग को तरक्की करने में बहुत मदद मिलेगी।

महोदय, मेरा आपको बहुत बहुत धन्यवाद। आपके सकारात्मक उत्तर की मुझे प्रतीक्षा रहेगी।

आपका भवदीय,

अनुराग कतरियार
फोन: +91 89760 50601
Email: ak@nrai.org